# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 30-9-25 | 3 | 1-5 |

आयोजन

**फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन चलेगा मंथन, वीसी बोले-दलहनी फसलों को प्राथमिकता दें**

# अधिक पैदावार वाली किस्मों की बिजाई के लिए प्रेरित करें

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सोमवार को दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने शुभारंभ किया।

उन्होंने कृषि अधिकारियों से कहा कि वे किसानों को अधिक उत्पादन देने वाली नई किस्मों की बिजाई के लिए प्रेरित करें। रबी सीजन के लिए गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों के बारे में जागरूक करें।

विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गई गेहूं की अत्यधिक पैदावार देने वाली किस्मों डब्ल्यूएच 1270, डब्ल्यूएच 1402, डब्ल्यूएच 1309 और सरसों की किस्मों आरएच 1975, आरएच 725, आरएच 1424 तथा आरएच 1706 की जानकारी दें।

एचएयू में कार्यशाला में मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर कंबोज और अन्य। स्रोत : संस्थान

कुलपति कांबोज ने शिक्षा निदेशालय की ओर से आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। किसानों को अनाज उत्पादन में बढ़ोतरी एवं अपनी आय में वृद्धि करने के लिए परंपरागत फसलों के साथ-साथ तिलहनी एवं दलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी होगी। किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित होना जरूरी है। इस दौरान कुलपति ने देश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी का श्रेय किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्धारकों को दिया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विभाग की ओर से लगवाए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी प्रदर्शन प्रक्षेत्र के आकड़ों की जानकारी दी।

## कार्यशाला में गेहूं की कई उन्नत किस्मों की दी गई जानकारी

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आरएस सोलंकी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भावान्तर भरपाई योजना, मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, तथा मेरी फसल मेरा ब्योरा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 30-9-25 | 3 | 1-2 |

हिसार | एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

## फसलों का विविधीकरण और उर्वरकों का संतुलित उपयोग जरूरी : कुलपति

### एचएयू में कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी 2025 का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी 2025 का शुभारंभ हुआ। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। इसमें एचएयू के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि फसल विविधीकरण एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करने के साथ उपयुक्त फसल चक्र को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जैव उर्वरकों की तरफ बढ़ना होगा जो पौधों को प्राकृतिक तौर पर पोषक तत्व उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने कृषि विभाग अधिकारियों और वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों को रबी सीजन के लिए गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों बारे में जागरूक करें। एचएयू द्वारा विकसित की गई गेहूं की अत्याधिक पैदावार देने वाली डब्ल्यूएच 1270, डब्ल्यूएच 1402, डब्ल्यूएच 1309 व सरसों की आरएच 1975, आरएच 725, आरएच 1424 तथा आरएच 1706 बारे में बताया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 30-9-25 | 11 | 1-3 |

# प्रत्येक व्यक्ति के लिए खाद्य व पोषण सुरक्षा देना करना हमारी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2025 का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने उद्घाटन किया। कार्यशाला में विवि के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। आजादी के पश्चात देश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई जिसका श्रेय देश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्धारकों को जाता है। देश के नागरिकों के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर शोध कार्यों, उन्नत किस्मों के बीजों, नवीनतम तकनीकों, नवाचारों तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को अनाज उत्पादन में बढ़ोतरी एवं अपनी आय में वृद्धि करने के लिए परम्परागत फसलों के साथ-साथ तिलहनी एवं दलहनी फसलों को प्राथमिकता दें।

## किसानों को जागरूक करें

उन्होंने अधिकारियों व वैज्ञानिकों को किसानों को रबी सीजन के लिए गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों बारे में जागरूक करें, ताकि अच्छी पैदावार ले सकें। विवि ने अधिक पैदावार देने वाली डब्ल्यूएच 1270, 1402 व 1309 तथा सरसों की आरएच 1975, 725, 1424 व 1706 किस्म की जानकारी दी। हकृवि एक पुस्तिका का विमोचन भी किया।

## शोधों के बारे में बताया

विश्वविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल और अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग विवि की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कृषि निदेशक डॉ. आरएस सोलंकी ने किसानों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. एसके पाहुजा व डॉ. सुनील ढांडा व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 30-9-25 | 8 | 5-8 |

# फसलों का विविधीकरण और उर्वरकों का संतुलित उपयोग जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2025 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। आजादी के पश्चात् देश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ौतरी हुई जिसका श्रेय देश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्धारकों को जाता है। देश के नागरिकों के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

शोध कार्यों, उन्नत किस्मों के बीजों, नवीनतम तकनीकों, नवाचारों तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को अनाज उत्पादन में बढ़ौतरी एवं अपनी आय में वृद्धि करने के लिए परम्परागत फसलों के साथ-साथ तिलहनी एवं दलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी होगी। कुलपति ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान किया है। उन्होंने फसल विविधीकरण एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करने के साथ-साथ उपयुक्त फसल चक्र को भी अपनाना चाहिए। हमें जैव उर्वरकों की तरफ बढ़ना होगा जोकि पौधों को प्राकृतिक तौर पर पोषक तत्व उपलब्ध करवा सकते हैं एवं भूमि की उर्वरा शक्ति को बनायें रखने में मदद करते हैं। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों और वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों को रबी सीजन के लिए गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों बारे में जागरूक करें ताकि किसान अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकें। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.एस. सोलंकी ने सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भावान्तर भरपाई योजना, मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, तथा मेरी फसल मेरा ब्यौरा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को दी जा रही अनुदान योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 30-9-25 | 3 | 4 |

## फसलों का विविधीकरण व उर्वरकों का संतुलित उपयोग जरूरी : काम्बोज

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। आजादी के पश्चात् देश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई जिसका श्रेय देश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्धारकों को जाता है।

उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। वह सोमवार को कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2025 के शुभारंभ पर बोल रहे थे। विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर शोध कार्यों, उन्नत किस्मों के बीजों, नवीनतम तकनीकों, नवाचारों तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान किया है। किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करने के साथ-साथ फसल चक्र को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जैव उर्वरकों की तरफ बढ़ना होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स न्यूज | 29.09.2025 | -- | -- |

# हकृवि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों की कार्यशाला, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए करेंगे मंथन

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2025 का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। आजादी के पश्चात् देश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई जिसका श्रेय देश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्धारकों को जाता है। देश के नागरिकों के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर शोध कार्यों, उन्नत किस्मों के बीजों, नवीनतम तकनीकों, नवाचारों तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को अनाज उत्पादन में बढ़ोतरी एवं अपनी आय में वृद्धि करने के लिए परम्परागत फसलों के साथ-साथ तिलहनी एवं दलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी होगी।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.एस. सोलंकी ने सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भावान्तर भरपाई योजना, मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, तथा मेरी फसल मेरा ब्यौरा योजना पर प्रकाश डाला।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| समस्त हरियाणा न्यूज | 29.09.2025 | -- | -- |

# फसलों का विविधीकरण और उर्वरकों का संतुलित उपयोग जरूरी : प्रो. काम्बोज

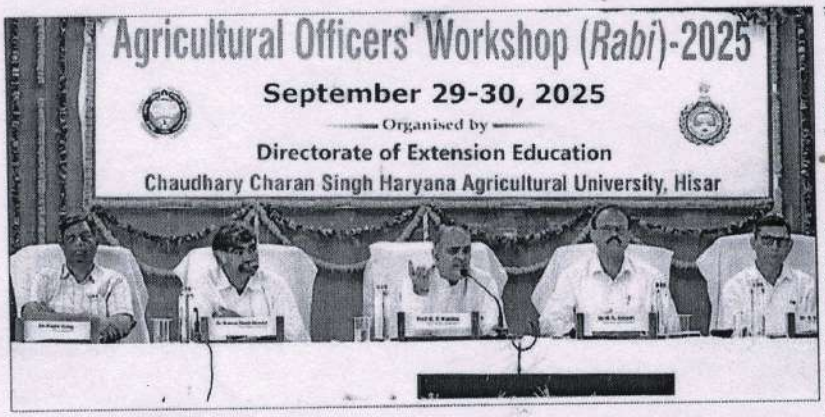


**समस्त हरियाणा न्यूज**

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2025 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। आजादी के पश्चात् देश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई जिसका श्रेय देश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्धारकों को जाता है। देश के नागरिकों के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर शोध कार्यों, उन्नत किस्मों के बीजों, नवीनतम तकनीकों, नवाचारों तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को अनाज उत्पादन में बढ़ोतरी एवं अपनी आय में वृद्धि करने के लिए परम्परागत फसलों के साथ-साथ तिलहनी एवं दलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी होगी। कुलपति ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान किया है। उन्होंने फसल विविधीकरण एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करने के साथ-साथ उपयुक्त फसल चक्र को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जैव उर्वरकों की तरफ बढ़ना होगा जोकि पौधों को प्राकृतिक तौर पर पोषक तत्व उपलब्ध करवा सकते हैं एवं भूमि की उर्वरा शक्ति को बनायें रखने में मदद करते हैं। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों और वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों को रबी सीजन के लिए गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों बारे में जागरूक करें ताकि किसान अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई गेहूं की अत्याधिक पैदावार देने वाली डब्ल्यूएच 1270, डब्ल्यूएच 1402, डब्ल्यूएच 1309 तथा सरसों की आरएच 1975, आरएच 725, आरएच 1424 तथा आरएच 1706 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हकृवि के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने गत वर्ष विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों के खेतों पर लगवाए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी प्रदर्शन प्रक्षेत्र के आकड़ों की जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.एस. सोलंकी ने सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भावान्तर भरपाई योजना, मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, तथा मेरी फसल मेरा ब्यौरा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को दी जा रही अनुदान योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।